बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी – २० जून, २००४)

(समय : दोपहर १२:०० से १:३०) | **सत्संग परिचय - २** | **कुल प्राप्तांक : ७५**

नोंध : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं।

विभाग-१ : किशोर सत्संग परिचय - प्रथम आवृत्ति, मार्च १९९९

प्रश्न.१. निम्न कथन कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए। **(६ गुण)**

१. ''वे प्रत्येक को स्वामिनारायण के नाम पर सामान दे देते हैं ।'' १०२
२. ''जिन्हें कल्याण की इच्छा हो, उन्हें धर्म सहित भक्ति करनी चाहिए ।'' १२
३. ''क्या आप पहले कभी इनसे मिले हो ?'' ३६

प्रश्न.२. निम्न विधानों के बारे में कारण दीजिए ।(तीन से चार पंक्ति में ।) **(४ गुण)**

१. डभाण यज्ञ में महाराज ने कोठियों को छड़ी से स्पर्श किया । ४६
२. आईने तत्पर बेटों को आर्शीवाद दिया और 'जय स्वामिनारायण' कहकर आगे बढ गई । ७७

प्रश्न.३. निम्न में से किन्हीं भी एक विषय के बारे में मुद्दासर विवरण लिखिए ।(१२ पंक्ति में) **(४ गुण)**

१. बडी रामबाई । २०
२. सत्संग । ४१
३. दादाखाचर की छत की नलकियों का ध्यान करो । ९४

प्रश्न.४. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **(५ गुण)**

१. नाग क्यों शांत खड़ा हो गया ? १६
२. हिमराज शाह की उत्तर क्रिया में कौन पधारे ? ५२
३. नियमों (वर्तमान) का पालन किस प्रकार करना चाहिए ? ७४
४. वैराग्य दृढ़ हुआ कब कहलाता है ? ९६
५. लग्न की रात राजबाई के पति को क्या दिखाई दिया ? ५७

प्रश्न.५. नीचे दी गई 'स्वामी की बातें' पूर्ण करके विवरण लिखे । **(५ गुण)**

कल्याण के लिए ८३

अथवा

नीचे दिए हुए 'वचनामृत' का विवरण लिखे ।

वचनामृत गढडा प्रथम प्रकरण - ८ ५२

प्रश्न.६. निम्न कीर्तन / अष्टक / श्लोक की अपूर्णता पूर्ण कीजिए । **(८ गुण)**

१. हैडे हार गुलाबी ..... गवातोर । ८२
२. जाणी पोताना रे ..... नाडी प्राण । ६४-६५
३. धर्मो ज्ञेयः ..... मत्तिश्च माधवे । ९८
४. निधिशंभु ..... भजे सदा । ३१

विभाग-२ : प्रागजी भक्त - छठ्ठी आवृत्ति, फरवरी १९९७

प्रश्न.७. निम्न कथन कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । **(४ गुण)**

१. ''अपने मन की करोगें तो सफल नहीं हो सकोगें ?'' ६५
२. ''बिना तप के तुम्हारी इन्द्रियाँ नियंत्रण में नहीं आएँगी ।'' ११

प्रश्न.८. निम्न विधानों के बारे में कारण दीजिए ।(तीन से चार पंक्ति में ।) **(४ गुण)**

१. पवित्रानंद स्वामी को भगतजी गुणातीत स्वामी से एकम एक हो गए । ३६
२. भगतजी के आगमन से अहमदाबाद मंदिर का संपूर्ण वातावरण बदल गया । ४८

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक २० जून, २००४. परीक्षा- सत्संग परिचय - २. माध्यम- हिन्दी. समय - दोपहर १२:०० से १:३०)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किए हुए पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, यह आप की जानकारी के लिए है।

५०२

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दी वह दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा दी तब का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : | | | | | | |

परीक्षा स्थल का नाम : केंद्र नंबर : | | | |

परीक्षार्थी की सही : केंद्र का नाम :

नोंध : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सब विगतों को भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को दे दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

प्रश्न.९. निम्न में से किन्हीं भी एक विषय के बारे में मुद्दासर विवरण लिखिए । (१५ पंक्ति में) **(५ गुण)**

१. वांसदा के दीवान के साथ सत्संग । ४६
२. अक्षरधाम की कुंजी प्रागजी भगत के पास । २३
३. निएकासन वापस लिया । ४५

प्रश्न.१०. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **(५ गुण)**

१. पीज में मोतीलाल को किसने दर्शन दिया ? ४०
२. प्रागजी भगत मंदिर में कौन-सी कौन सी सेवा करते थे ? १४
३. दामा सेठ ने वाघा खाचर को क्या कहा ? २६
४. प्रभु किस को धारण करते हैं ? ३९
५. विज्ञानदासजी का अक्षरनिवास कहा हुआ था ? ५२

प्रश्न.११. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखो । **(६ गुण)**

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जायेंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. शास्त्रीजी महाराजने महुवा में भगतजी महाराज के कौन-से गुणों को साबित किया ? ४३
(अ) ज्ञान
(ब) निश्चय
(क) वैराग्य
(ड) धर्म

२. गोपालानंद स्वामी धाम में पधारे । ५
(अ) संवत् १९१९
(ब) संवत् १९०८
(क) वैशाख कृष्ण चौथ
(ड) जेठ कृष्ण चौथ

३. गुणातीतानंद स्वामी जूनागढ मंदिर में रहे । ३३
(अ) चालीस वर्ष (ब) चालीस मास
(क) चार दिन (ड) चालीस घन्टे

प्रश्न.१२. नीचे दिए गए वाक्य सही है या गलत, यह लिखकर, गलत वाक्य को सुधारकर लिखिए । **(४ गुण)**

१. स्वामी ! क्या यह प्रसन्नता से दिया गया घर है ? २०
२. भगतजी कलया गाँव में संतों से चंदन लिपटे शरीर से भेंट की । ४४
३. भगतजी ने फोजदार से कहा : ''इन साधुओं को डपटो क्योंकि ये हमेशा मुझे सताते रहते हैं ।'' ४०
४. मैं तो ऐसा कुर्ता सी सकता हूँ जो तुम्हारे आत्मा को ढक ले । ३५

विभाग-३ : ''सत्संग प्रवेश'' परीक्षा पुस्तक पर आधारित

प्रश्न.१३. निम्न विषय के बारे में विस्तृत नोंध लिखिए। (किन्हीं तीन) **(१५ गुण)**

१. स्वरूप की पहचान । (७४) **अथवा** १. नीलकंठ लोज में । (८५) **अथवा**
१. काठमंडू में राजा को आशीर्वाद । (३१)
२. ब्रह्मानंद स्वामी की काव्य प्रसादी में मूर्ति का दर्शन । (१२) **अथवा**
२. जोबन का परिवर्तन । (४३) **अथवा** २. राणा राजगर । (२५)
३. जागा भगत को उठाकर सीने से लगा लिया । (३५) **अथवा** ३. प्रागजी भगत से प्रभावित। (२१) **अथवा**
३. इन्द्र को आह्वान । (८५)

नोंध : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न और प्रश्न.१३ में से तीन विस्तृत नोंध दिनांक १८ जुलाई, २००४ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावनाएँ हैं ।